**5. नुकसानी के लिए क्रेता द्वारा भूमि के क्रय के लिए विनिर्दिष्ट अनुपालन हेतु वाद।**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**ऊपर नामित किया गया वादी निम्नलिखित रूप में अतिसादर पूर्वक निवेदन करता है -**

1. यह कि प्रतिवादी ने ............................ रुपये के लिए उपर्युक्त तारीख से छः महीने के अन्दर वादी से वादपत्र के वाद में ब्यौरवार जिला ......................... के गाँव .......................... में स्थित खाता सं. ........................... की .......................... बीघा भूमिधारी भूमि का क्रय करने के लिए एक लिखित करार के जरिये तारीख ...................... को संविदा किया जिसमें से वादी ने उपर्युक्त करार की तारीख..........................पर ............... रुपये का संदाय किया I
2. यह कि प्रतिवादी अनुबन्धित समय के के अन्दर उपर्युक्त भूमि का क्रय करने के लिए नहीं आगे बढ़ा और अंतिम महीने में तारीख ........................................ को प्रतिवादी ने उसके पक्ष में वादी द्वारा विक्रय विलेख को निष्पादित करने तथा तद्नुसार भूमि को अंतरित कराने के लिए ................ रुपये (...............) की बकाया धन सहित ............... में उपरजिस्ट्रार के कार्यालय में हाजिर होने के लिए एक रजिस्ट्रीकृत नोटिस दिया। वादी उपर्युक्त तारीख पर उपरजिस्ट्रार के कार्यालय में हाजिर हुआ और संपूर्ण दिन वहाँ रहा लेकिन प्रतिवादी उपर्युक्त विक्रय विलेख को निष्पादित करवाने के लिए उपर्युक्त विक्रय विलेख को निष्पादित करवाने के लिए उपर्युक्त धन को वापस नहीं किया।
3. यह कि वादी उपर्युक्त छः महीने की एक कालावधि के अन्दर एक उचित विक्रय विलेख को निष्पादित करने के लिए तैयार है और इच्छाकर रहा है और विशेष तौर पर उपर्युक्त नियत तारीख पर लेकिन प्रतिवादी संविदा का अपने भाग का अनुपालन करने के लिए और नियत तारीख पर बकाया क्रय धन का संदाय करने के लिए वापस मुड़ा / या प्रतिवादी ने तारीख .......................... को संविदा के अपने भाग का पालन करने या उपर्युक्त बकाया व्यवस्थापित क्रय मूल्य का संदाय करने से इंकार कर दिया। वादी का प्रतिवादी के कथित इंकार से ............. रुपये का नुकसान हुआ।
4. यह कि वाद हेतुक तारीख .................... को उत्पन्न हुआ उस नियत दिन की उत्पन्न हुआ जो कथित विलेख के निष्पादन के लिए छः महीने की विशिष्ट कालावधि की अंतिम तारीख थी, और न्यायालय को वाद का विनिश्चय करने की अधिकारिता थी।
5. यह कि वाद का मूल्यांकन अधिकारिता के प्रयोजनार्थ बकाया क्रय धनराशि ............... रुपये तथा न्यायालय फीस के प्रयोजनार्थ ................ रुपये पर किया जाता है और न्यायालय का दावाकृत अनुतोषों के अनुसार संदाय किया जाता है।

दावाकृत अनुतोष :

वादी निम्नलिखित अनुतोषों का दावा करता है;

1. विक्रय मूल्य की ............... रुपये को बकाया रकम का संदाय करने हेतु प्रतिवादी को एक आज्ञापक व्यादेश जारी करने के लिए या वैकल्पिक तौर पर;
2. उसको उसके भुगतान की तारीख से ब्याज सहित प्रतिवादी से रुपये और वादी की तारीख से भुगतान एक ब्याज सहित नुकसानी के रुप में .............. रुपये और वादी की तारीख से भुगतान तक ब्याज सहित नुकसानी के रुप में .............. रुपये का भुगतान का;

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी